हे गणपति गिरिजानंदन हम ध्याये तुमको आज

हे गणपति गिरिजानंदन,
हम ध्याये तुमको आज,
सकल विघ्न करो दूर हमारो,
रखियो हमरी लाज,
प्रभु मोरे ध्याये तुमको आज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज।bd।

मोह माया में तुमको भूले,
दर दर भटके भँवर में झूले,
अब आए हम शरण तिहारी,
छोड़ जगत के काज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज।bd।

रिद्धि सिद्धि दोऊ चँवर डोलावे,
चरणन में भक्तन सुख पावे,
शरणागत वत्सल लम्बोदर,
किरपा करो गणराज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज।bd।

प्रथम पूज्य हे नाथ दयानिधि,
भक्ति का वर दो हे करुणानिधि,
कलि काल के घोर पाप से,
निर्भय हो सकल समाज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज।bd।

हे गणपति गिरिजानंदन,
हम ध्याये तुमको आज,
सकल विघ्न करो दूर हमारो,
रखियो हमरी लाज,
प्रभु मोरे ध्याये तुमको आज,
प्रभु मोरे रखियो हमरी लाज।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लेखक – सत्यप्रकाश अमर।
भजन गायक – विद्याकान्त झा।
9931244994

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com